२००७-२००८
उत्तरमध्यमा परीक्षा
द्वितीय खण्ड, द्वितीय अधिसत्र
विषय- पालि , षष्ठ प्रश्न पत्र

समय- ३½ घण्टा

सम्पूर्णांक-५०

सामान्य निर्देश- प्रत्येक पृष्ठ आठ पंक्ति का एवं प्रत्येक पंक्ति दस शब्दों का होना चाहिए।

१. 'मरूत्तब्राहमणस्सवत्थु' की कथा कम से कम ३०० शब्दों में लिखिए। 8

अथवा

'पुत्तखादकवत्थु' की कथा कम से कम ३०० शब्दों में लिखें तथा उससे क्या शिक्षा मिलती है? लिखिए।

२. अधोलिखित गाथाओं में से किन्हीं दो की व्याख्या न्यूनतम १५० शब्दों में कीजिए- 8

(क) सोभन्तेवं न राजानो मुत्तामणि विभूसिता।
यथा सोभन्ति मतिनो सीलभूसनभूसिता।।
गुणानं मूलभूतस्स, दोसानं बलघातिनो।
इति सीलस्स विञ्ञेय्यं आनिसंस कथा मुखं।।

(ख) यथा उदुम्बरं पक्का, बहि रत्तकमेव च।
अन्तो किमिहि सम्पुण्णा, एवं दुज्जनहदया।।
यथापि पनसा पक्का, बहि कण्टकमेव च।
अन्तो अमतसम्पन्ना, एवं सुजनहदया।।

३. नीति गाथाओं के महत्व को बतलाते हुए इसके अध्ययन से क्या शिक्षा मिलती है? न्यूनतम ३०० शब्दों में लिखिए। 8

अथवा

'धम्मोवादं' शीर्षक पाठ के आधार पर कुसलाकुसल कर्मों का क्या फल मिलता है, न्यूनतम ३०० शब्दों में लिखिए।

४. किसी एक पर ३०० शब्दों में प्रकाश डालें। 6

चार आर्यसत्य, सम्मावायामो,
बोधगया, बोधिसत्व।

५. किन्हीं पाँच वाक्यों का पालि में अनुवाद कीजिए- 10

(क) वाराणसी में एक राजा निवास करता था।
(ख) वह चरित्रवान है।
(ग) अप्रमाद अमृत पद है।
(घ) चित्त स्पन्दनशील एवं चपल है।
(ङ) तृष्णा के समान शत्रु नहीं है।
(च) निर्वाण परम सुख है।
(छ) मोहन अपने भाई को पढ़ाता है।
(ज) तुम कहाँ जाते हो?
(झ) वह पुस्तक पढ़ता है।
(ञ) हम दोनों घूमने जाते हैं।

६. किन्हीं पाँच वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 10

(क) सीलं अनेकविधं होति।
(ख) सील सम्पदाय अनेके आनिसंसा होन्ति।
(ग) तं खणञ्ञेव पुराणपत्तानि पतन्ति।
(घ) सावत्थियं किर एको ब्राहमणो पटिवसति।
(ङ) तदा तं सत्थेन खण्डाखण्डिकं छिन्दित्वा नीहरिंसु।
(च) सप्पुरिसा अत्तनो उपकारकानं पच्चुपकारं करोन्ति।
(छ) एवं वत्वा तुट्ठमानसा गेहं अगमासि।
(ज) येसं खो सतं पियानि सतं तेसं दुक्खानि।
(झ) तित्थिया एकतो सन्निपतित्वा किं मन्तयिंसु?
(ञ) भगवा इसिपतन मिगदाये विहरति।